ANJANEYA UNIVERSITY, RAIPUR, CHHATTISGARH

PhD Entrance Exam 2024 Syllabus

Syllabus for History

इकाई 1

इतिहास और पद्यति

इतिहास का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप तथा अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध, इतिहास में वस्तुनिष्ठता, इतिहास में तथ्य, भारतीय इतिहास की व्याख्या– राष्ट्रवादी, साम्राज्वादी, जनवादी, इतिहास शोध की पद्धति– अभिलेखागीर, ऐतिहासिक अवलोकन, समाजशास्त्रीय पद्धति, भारतीय इतिहास जानने के स्त्रोत–साहित्यिक, पुरातात्विक, विदेशी यात्रा वृतांत, अभिलेखागीरय, शासकीय प्रतिवेदन एवं अशासकीय स्त्रोत।

Unit I:

History and Methodology

Meaning, definition and nature of history and relation with other social sciences, objectivity in history, facts in history, interpretation of Indian history – nationalist, imperialist, democratic, method of researching history – archivist, historical observation, sociological method, Sources of knowing Indian history – literary, archaeological, foreign travelogues, archives, government reports and non-government sources.

इकाई 2

प्राचीन भारत का इतिहास

प्रारंभ से तृतीय शताब्दी तक

भारत की भौगोलिक संरचना, प्रागैतिक काल, विस्तार एवं लक्षण, वैदिक संस्कृति– पूर्व एवं उत्तर–भूगोल : सामाजिक एवं राजनैतिक संस्थाएँ, आर्थिक स्थिति, धार्मिक एवं दार्शिनिक विचार, महाजनपद, गणराज्य आर्थिक अभिवृद्धि, जैन एवं बौद्ध धर्म का उदय, मगध का अभ्युदय, मेसेडोनिया के आक्रमण और उसका प्रभाव। मौर्य साम्राज्य की स्थापना : चन्द्रगुप्त, अशोक एवं उसका धम्म, मौर्य प्रशासन, अर्थव्यवस्था, कला एवं स्थापत्य, मौर्य साम्राज्य का विघटन, संगम युग, शुंग, सातवाहन एवं कुषण : प्रशासन, धर्म, समाज, अर्थव्यवस्था, व्यापार एवं वाणिज्य, संस्कृति कला एवं स्थापत्य, साहित्य।

Unit II:

History of Ancient India

(First to Third century)

Geographical structure of India, prehistoric period, extent and characteristics, vedic culture, early and late – Geography : Social and political institutions, Economics conditions, Religious and philosophical Ideas. Mahajanapadas republics. Economics growth- Emergence of Jainism and Buddhism- Rise of Magadha- Macedonian invasion and its effects. Foundation of the Mauryan Empire- Chandragupta, Ashoka and his Dhamma, Mauryan administration, Economy, Art and Architecture, Disintegration of the Maurayan empire. Sangam age, Sugas, Satavahanas and Kushanas : Administration, religion, Society, economy, trade and commerce, culture- Art and architecture literature.

ईकाई – 3

चौथी से बाहरवी शताब्दी तक भारत

गुप्त – वाकाटक युग, हर्ष–पल्लव, प्रारम्भिक चालुक्य, राष्ट्रकूट, चोल, प्रतिहार, पाल, परमार, कलचुरि, गहड़वाल एवं चौहानों का संक्षिप्त इतिहास, प्रशासन, सामन्तवाद, समाज, स्त्रियों की स्थिति, शिक्षा केन्द्र, अर्थव्यवस्था, धार्मिक प्रवृत्तियाँ, मन्दिर–स्थापत्य की शैलीयाँ, कला, साहित्य, वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिक विकास का संक्षिप्त विवरण, बाह्य जगत से भारतीय सम्पर्क।

भारत 1206 से 1526ई. तक

विस्तार और संगठन – गोरी, तुर्क, खिलजी, तुगलक, सैय्यद और लोदी, विजयनगर और बहमनी साम्राज्य, राज्य और धर्म – प्रभुसत्ता औ अवधारण, धर्मिक आन्दोलन और सूफीमत, आर्थिक पक्ष – शहरी केन्द्र, उद्योग, व्यापार और वाणिज्य, भू–राजस्व और कीमतें, मंगोल समस्या और उसका प्रभाव, प्रशासकीय संरचना, कला, स्थपत्य और साहित्य, स्रोत – पुरातात्विक, फरावी और गैर – फारसी साहित्य, विदेशी यात्रा – वृतान्त।

Unit III:

India from the 4th Century AD to 12th century AD

Gupta- Vakataka Age- Harsha Pallavas- Early chalukyas- Rashtrakutas- Cholas Pratiharas – palas – A brief survey of the history of the parmaras, Kalachuris, Gahadavalas and chauhans administration. Feudalism, Society, position of Women, Educational centres, Economy religious trends, styles of temple architecture, art, literature, an outline of scientific and technological developments. India's contacts with the outside world.

India from 1206 to 1526

Expansion and Consolidation- The Ghoris the turks, the khiljis, The Tughlaqs, the sayyids and the Lodhis, Vijaynagar and Bahamani kingdom, State and religion- concept of Socereignty, religious movements and sufism. Economic aspect- urban centres, Indrustries, trade and commerce, land revenue and prices, Mongol problem and its impact, Administrative structure, Art, architecture and literature. Sources- Archaeological, parsian and non-persian literature, Foreign travellers account.

ईकाई – 4

भारत 1526 के बाद

मुगल काल के स्रोत – मुगल विस्तार आर संगठन : बाबर द्वारा भारत में मुगल राज्य की स्थापना ; हुमायूँ और सूर : अकबर, जहाँगीर, शाहजहाँ और औरंगजेब, मुगलों के अमीर तथा राजपूतों से सम्बन्ध, जहाँगीर – स्थिरता तथा विस्तार का काल 1611–1621, संकट का काल 1622–1627 नूरजहाँ जुंट, मुगल साम्राज्य का पतन : राजनीतिक, प्रशासनिक और आर्थिक कारण, मराठा आन्दोलन, शिवाजी द्वारा स्वराज्य की स्थापना, उसका विस्तार और प्रशासन, मराठा संघ और उसके पतन के कारण, प्रशासन : शेरशाह के प्रशासनिक सुधार, मुगल प्रशासन, भू–राजस्व और आय के अन्य स्रोत मनसबदारी और जागीरदारी।

मुगलों के अन्तर्गत सामजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन

ग्रामीण समाज और अर्थव्यवस्था, कला, स्थापत्य कला और साहितय, व्यापार और वाणिज्य, अकबर से औरंगजेब तक धार्मिक नीति, शहरी केन्द्र और उद्योग, मुद्रा, महिलाओं की स्थिति।

Unit IV:

India from 1526 onward

Sources of Mughal period. Mughal expansion and consolidation- Babur's establishment of Mughal rule in India ; Humayun and Surs ; Akbar, Jahangir, Shahjahan and Aurangzeb. Mughal relations with the nobility and the Rajputs. Jahangir – the period of stability and expansion 1611-1621 the period of crises 1622-1627 The Nurjahan Junta. Decline of Mughal empire : political, administrative and economic causes. The Maratha movement the foundation of Swarajya by Shivaji- its expansion and administration, Maratha confederacy causes of decline. Administration : Sher Sha's administration reforms, Mughal administration, land revenue and other sources of income, Mansabdari and Jagirdari.

Socio-economic and cultural life under the Mughals

Village society and economy, Art, Architecture and literature, trade and commerce, religious policy from Akbar to Aurangzeb, Urban centres and Industries, Currency, position of women.

ईकाई – 5

ब्रिटिश राज की स्थापना

युरोपियों शक्तियों का उदय– ब्रिटिश सत्ता का विस्तार एवं संगठन, प्रमुख भारतीय शक्तियों– बंगाल, अवध, हैदराबाद, मैसूर, मराठा ओर सिख के साथ ब्रिटिश, ईस्ट इण्डिका कम्पनी एवं क्राउन के अधीन प्रशासन, परमोच्च शक्ति सिविल सेवा, न्यायिक, पुलिस सेवा तथा सेना। स्थानीय स्वशासन, संवैधानिक विकास 1909 से 1935।

आर्थिक एवं सामाजिक नीतियाँ

कृषि सम्बन्धी ब्रिटिश नीति, भू–राजस्व, कृषि एवं भूमि सम्बन्धी अधिकार, अकाल नीति, ग्रामीण ऋणग्रस्तता। व्यापार एवं उद्योग नीति, मजदूरों की दशा, मजदूर संघ के आन्दोलन, फैक्दरी कानून, बैकिंग, परिवहन, निकास सिद्धान्त, संक्रमणाधीन भारतीय समाज, ईसाई मिशन, सामाजिक–धार्मिक सुधार आन्दोलन, स्त्रियों की स्थिति, नीवन शिक्षण नीति, अंग्रेजी भाषा, आधुनिक विज्ञान, पत्रकारिता, भारतीय भाषाएँ एवं साहित्य।

Unit V:

Foundation of the British rule

Rise of European powers- Expansion and consolidation of the british rule & Organisation. British relations with major Indian powers- Bengal, Oudh, Hyderabad, mysore, Marathas and sikhs. Administration under the east India company and Crown, Paramountcy, civil service, Judiciary, police and army. Local Self Government, Constitutional Development from 1909 to 1935.

Economic and Social polices

Agrarian policy of the British, Land revenue, Agriculture and land rights, famine policy, Rural indebtedness. Policy towards trade and industries, Condition of Labour, trade Union movements. Factory legistlation, Banking, Transport, Drain theory. Indian Society in transition, Christian missions, Socioreligious reform movements, Status of women. New educational policy, English language, modern science, Journalism Indian languages and literature.

ईकाई – 6

राष्ट्रीय आंदोलन एवं स्वांतत्रयोत्तर भारत

राष्ट्रवाद का उदय, 1857 का विद्रोह, जनजातीय एवं कृषक आन्दोलन, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की विचाराधारा एवं कार्यक्रम, स्वदेशी आन्दोलन, भारतीय क्रान्तिकारी आन्दोलन भारत एवं विदेश में। गाँधीवादी जन आन्दोलन, जस्टिस पार्टी की विचारधारा एवं कार्यक्रम, वामपंथी राजनीति, दलित वर्ग का आन्दोलन, महात्मा ज्योतिबा फुले एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर, पाकिस्तान का उद्‌भव, भारत स्वतंत्रता एवं विभाजन की ओर। स्वातंत्रयोत्तर भारत, विभाजन के बाद पुनर्वास, भारतीय रियासतों का विलय, कश्मीर प्रश्न। भारतीय संविधान का निर्माण, नौकरशाही एवं पुलिस का ढाँचा, आर्थिक नीतियाँ एवं योजना प्रक्रिया, राज्यों का भाशायी पुनर्गठन, विदेश नीति सम्बन्धी पहल कार्य।

Unit VI:

National movement and post- Independent India

Rise of nationalism- revolt of 1857, Tribal and peasant movements Ideologies and programs of Indian National congress, Swadeshi movement, Indian revolutionary movement in India and abroad. Gandhian Mass movement Ideologies programs of the justice party, Left wing politics, Movement of the depressed classes – Mahartha Jyotiba phule, Dr. Bhimrao Ambedkar, Genesis of Pakistan, India towards Independent and partition. India states, the Kashmir question. Making of the Indian constitution, Structure of Bureaucracy and the police, Economic policies and the planning process. Linguistic reorganization of the states, foreign policy initiatives.

ईकाई – 7

विश्व इतिहास – संकल्पनाएँ, विचार अवधियाँ

पुनर्जागरण, धर्मसुधार, प्रबुद्धतावाद, मानव के अधिकार, नस्लवाद, साम्राज्यवाद, समाजवाद, नाजीवाद, संसदीय लोकतंत्र, राष्ट्रमंडल, विश्वशान्ति के प्रयास, शीत युद्ध, उत्तर आधुनिकवाद।

Unit VII:

World History- Concept, Ideas and terms

Renaissance, Reformation, enlightenment, Right of man, Apartheid, Imperialism, Socialism, Nazism, Parliamentary Democracy, Commonwealth, Efforts at world peace, Cold War, Post_ Modernism.

ईकाई – 8

छत्तीसगढ़ का इतिहास

छत्तीसगढ का भौगोलिक परिचय–सीमाएं, नामकरण, प्राचीन कालीन छत्तीसगढ़– प्रागैतिहासिक काल से पूर्व मौर्यकाल तक , प्राचीन कालीन छत्तीसगढ़– मौर्य, गुप्त, वाकाटक, नल, राजर्षितुल्य, शरभपुरीय, पांडु, छिन्दकनाग, सोमवंश, छत्तीसगढ़ में कल्चुरिकाल एवं कल्चुर युगीन सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक दशा, छत्तीसगढ़ में मराठा शासन एवं युगीन सामाजिक, आर्थिक एवं सामाजिक दशा, छत्तीसगढ़ में ब्रिटिश शासन एवं ब्रिटिश युगीन सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक दशा, छत्तीसगढ़ की जमींदारियां एवं करद राज्य तथा भारतीय संघ में विलय, 1857ई. का विद्रोह एवं छत्तीसगढ़, छत्तीसगढ़ में स्वाधीनता आंदोलन एवं क्रांतिकी आंदोलन 1947 ई. तक, छत्तीसगढ़ में किसान. मजदूर एवं जनजातीय आंदोलन, छत्तीसगढ़ में शैव, शाक्त, जैन, बौद्ध मत, कबीर पंथ एवं सतनाम पंथ, छत्तीसगढ़ की लोक कला, साहित्य एवं संस्कृति, छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण की पृष्ठभूमि, छत्तीसगढ़ के प्रमुख ऐतिहासिक स्थल एवं महान विभूतियां।

Unit VIII:

History of Chhattisgarh

Geographical introduction of Chhattisgarh - boundaries, nomenclature, ancient period Chhattisgarh - from prehistoric period to pre-Mauryan period, ancient period Chhattisgarh - Maurya, Gupta, Vakatak, Nal, Rajarshitulya, Sharabpuriya, Pandu, Chhindaknag, Somvansh, cultural period and cultural era social in Chhattisgarh, Economic and cultural condition, Maratha rule in Chhattisgarh and contemporary social, Economic and social condition, British rule in Chhattisgarh and British era social, economic and cultural condition, Zamindaris and tax states of Chhattisgarh and merger with the Indian Union, 1857 AD. Revolt of and Chhattisgarh, freedom movement and revolutionary movement in Chhattisgarh till 1947 AD, Farmer in Chhattisgarh. Labor and tribal movements, Shaiva, Shakta, Jainism, Buddhism in Chhattisgarh, Kabir sect and Satnam sect, folk art, literature and culture of Chhattisgarh, background of formation of Chhattisgarh state, major historical places and great personalities of Chhattisgarh.